

Padma Shri



SMT. SHANTI DEVI

Smt. Shanti Devi is the President of Seva Samaj, founded on 11th September, 1964 at Rayagada District in Odisha.

2. Born on 18th April, 1934, Smt. Shanti Devi received her general education from Fakir Mohan Collage Balasore Odisha in 1951. After her marriage with Dr. Ratan Das, in 1951, she came to Koraput, a Tribal populated area. In 1953, She along with her husband moved to village Sankhalapadar near Rayagada. Some of the people living in this small village were suffering from leprosy and yaws. Smt. Shanti Devi began her work by servicing those patients. She worked there for 4 years to eradicate the yaws disease and also succeeded in her effort.

3. Smt. Shanti Devi came to Rayagada, joined Bhoodan Movement of Sant Vinobaji from 1956 to 1980, in the mean time she founded Seva Samaj in 1964 at Rayagada with strength of 8 Tribal girls. After 3 years, she established another Tribal girl's hostel at Gunupur. She worked as a lecturer in Khadi Vidyalayaa, Gopalbadi under Khadi and Village Industries. Then she became the Joint Secretary of Nabjeevan Mandal. After few years she became the Secretary of Odisha Bhoodan Yagna Samittee and also member of State Social Welfare Board in Odisha. In 1978, she became President of Odisha Prohibition Committee and she served as the member of Certification Committee of Khadi and Village Industries during 1980-81. She established an Orphan girls Home at Jabargauda in Padmapur Block and also started Rehabilitation Training Camp for destitute Women at Gunupur. She became executive member of Sarvodaya Parishad and member of Governing Body of Gunupur Collage. She also served as honorary Judge of Juvenile Court of Koraput and Gajapati District in 1990.

4. Smt. Shanti Devi took part in peace and non-violence March in 4 phases from 2010 to 2013 with 20 Sarvodaya activists on behalf of Sarvodaya Samaj. The march covered 20 Maoist Districts of Odisha and 3 Districts of Andhra Pradesh and Dantewada District of Chhatishgarh. She has also to her credit publication of several books including Ahinsara Anweshana (Odia translation of Vinobajis Biography); Divya Sannidhya (Maha Guhame Prabesh) of Vinobaji; Paban Purush Sri Ramkrushna (In Odia); Ram Charita Manas (Odia translation of Tulsi Das's Ramcharita Manasa), Sanchyita (55 Poems) in Odiya By Rabindra Nath Tagore.

5. Smt. Shanti Devi is the recipient of many awards and honours. She received National Award by the Ministry of Women and Child Welfare 1991, Jamnalal Bajaj Award in 1994 and many other awards from different Social Institutions, State Governments and different foundations etc..



श्रीमती शांति देवी

श्रीमती शांति देवी सेवा समाज की अध्यक्ष हैं, जिसकी स्थापना 11 सितंबर, 1964 को ओडिशा के रायगडा जिले में हुई थी।

2. 18 अप्रैल, 1934 को जन्मी श्रीमती शांति देवी ने वर्ष 1951 में फकीर मोहन कॉलेज, बालासोर, ओडिशा से अपनी सामान्य शिक्षा प्राप्त की। वर्ष 1951 में डॉ. रतन दास के साथ अपने विवाह के बाद, वह एक जनजातीय आबादी वाले इलाके कोरापुट आ गई। वर्ष 1953 में, वह अपने पति के साथ रायगडा के समीप ग्राम संखलापदर चली गई। इस छोटे से गाँव में रहने वाले कुछ लोग कुष्ठ और त्वचा पर होने वाली गांठ के रोग से पीड़ित थे। श्रीमती शांति देवी ने उन रोगियों की सेवा करने का काम शुरू किया। वह वहां चार वर्ष तक काम करती रही; और गांठ के रोग को समाप्त करने के प्रयास में सफलता प्राप्त की।

3. रायगडा आने के बाद, श्रीमती शांति देवी वर्ष 1956 से 1980 तक संत विनोबाजी के भूदान आंदोलन में शामिल हुई। इस बीच उन्होंने वर्ष 1964 में 8 जनजातीय लड़कियों के साथ रायगडा में सेवा समाज की स्थापना की। 3 वर्ष बाद, उन्होंने गुनूपुर में एक और जनजातीय कन्या छात्रावास की स्थापना की। उन्होंने खादी और ग्रामोद्योग के तहत खादी विद्यालय, गोपालबाड़ी में व्याख्याता के रूप में काम किया। फिर वह नबजीवन मंडल की संयुक्त सचिव बनी। कुछ वर्षों के बाद वह ओडिशा भूदान यज्ञ समिति की सचिव और ओडिशा में राज्य समाज कल्याण बोर्ड की सदस्य भी बनी। वर्ष 1978 में, वह ओडिशा मद्य निषेध समिति की अध्यक्ष बनी और उन्होंने वर्ष 1980-81 के दौरान खादी और ग्रामोद्योग की प्रमाणन समिति की सदस्य के रूप में कार्य किया। उन्होंने पदमपुर ब्लॉक के जबरगुडा में कन्या अनाथालय की स्थापना की और गुनौर में निराश्रित महिलाओं के लिए पुनर्वास प्रशिक्षण शिविर भी शुरू किया। वह सर्वोदय परिषद की कार्यकारी सदस्य और गुनूपुर कॉलेज की गवर्निंग बॉडी की सदस्य बनी। उन्होंने वर्ष 1990 में कोरापुट और गजपति जिले के किशोर न्यायालय के मानद न्यायाधीश के रूप में भी काम किया।

4. श्रीमती शांति देवी ने सर्वोदय समाज की ओर से 20 सर्वोदय कार्यकर्ताओं के साथ वर्ष 2010 से 2013 तक 4 चरणों में शांति और अहिंसा पदयात्रा में हिस्सा लिया। इस पदयात्रा में ओडिशा के 20 माओवादी जिले और आंध्रप्रदेश के 3 जिले और छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिला शामिल था। उन्होंने अहिंसार अन्वेषण (विनोबाजी की जीवनी का ओडिया अनुवाद); विनोबाजी का दिव्य सान्निध्य (महा गुहामे प्रवेश); पवन पुरुष श्री रामकृष्ण (ओडिया में); राम चरित मानस (तुलसी दास की रामचरित मानस का ओडिया अनुवाद), रवीन्द्र नाथ टैगोर की संचयिता का ओडिया में (55 कविताएं) का प्रकाशन किया है।

5. श्रीमती शांति देवी को अनेक पुरस्कार और सम्मान प्रदान किए गए हैं। उन्हें महिला और बाल कल्याण मंत्रालय द्वारा वर्ष 1991 में राष्ट्रीय पुरस्कार, वर्ष 1994 में जमनालाल बजाज पुरस्कार तथा विभिन्न सामाजिक संस्थानों, राज्य सरकारों और विभिन्न प्रतिष्ठानों आदि से कई अन्य पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।